

शोध प्रविधि

(Research Methodology)



डॉ. पंकज सिंह

शोध प्रविधि
(Research Methodology)

© Author

First Published 2020

ISBN 978-81-94434-29-0

All right reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of the publisher.

Views and fact presented in the book are those of the author and the publishers are not responsible for the same.

BALAJI WORLD OF BOOKS

213, Vardan House 7/28, Ansari Road

Darya Ganj, New Delhi- 110002

Ph.: 011-46013809

E-mail: mybalajibook@gmail.com

विषय सूची

भूमिका	vii
1. शोध का अर्थ, उद्देश्य एवम् महत्व	1
2. शोध समस्या की पहचान एवं चयन	14
3. साहित्य का पुनरावलोकन	45
4. परिकल्पना	28
5. शोध में तथ्य (आंकड़े) संकलन के उपकरण	38
6. शोध प्रारूप	78
7. निदर्शन (प्रतिदर्श/न्यादर्श) प्रविधि	83
8. सांख्यिकी	90
9. ऐतिहासिक शोध पद्धति	97
10. वर्णनात्मक शोधपद्धति	126
11. गुणात्मक शोधपद्धति	131
12. शोध प्रबंध लेखन	139
13. तथ्य संकलन में कम्प्यूटर तकनीकी का उपयोग	150
संदर्भ ग्रंथ सूची	157

मानव की जिज्ञासु प्रवृत्ति ने ही शोध-प्रक्रिया को जन्म दिया। शोध-कार्य सदा से एक प्रश्नाकुल मानस की सुचिन्तित खोज-वृत्ति का उद्यम बना रहा है। जाहिर है कि किसी सत्य को निकटता से जानने के लिए शोध एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती आई है। समय-समय पर विभिन्न विषयों की खोज और निष्कर्षों की विश्वसनीयता एवं प्रामाणिकता गहन शोध की मदद से ही सम्भव हो पाई है। समय के बदलते क्रम में मानव जीवन की समस्याएँ विकट होती आई हैं, उत्तरोत्तर नई समस्याओं से मानव जाति का सामना होता आया है। प्रस्तुत पुस्तक विभिन्न विश्वविद्यालयों के समाज विज्ञान के अंतर्गत विभिन्न विषयों के स्नातकोत्तर (एम.ए.) एवं पीएच.डी. कोर्स वर्क के नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित है। यह पुस्तक हिन्दी में सामाजिक अनुसंधान, समाज विज्ञान के छात्रों की विशेषकर इतिहास के छात्रों की शोध प्रविधि संबंधी ज्ञान एवं आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा, ऐसा मेरा विश्वास है। इसमें अनेक विद्वानों के विचारों को समाहित कर इसे मौलिक एवं सर्वांगीण बनाने का प्रयास किया गया है। इस दृष्टि से यह पुस्तक शोध परक और ज्ञानवर्धक है। शोध छात्रों को अपने शोध कार्य के दौरान भिन्न-भिन्न शोध प्रविधियों को अपनाते हुए कहां किन कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, जिन्हें स्पष्ट करने का पूरा प्रयास प्रस्तुत पुस्तक में किया गया है।



डॉ. पंकज सिंह इतिहास विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश में सहायक प्राध्यापक के पद पर पदस्थ हैं। लेखक की विषय विशेषज्ञता आधुनिक भारतीय इतिहास, गाँधीवादी विचार, इतिहास लेखन तथा दलित एवं आदिवासी अध्ययन विषय में हैं। लेखक इतिहास विषय में एम.ए., यू.जी.सी. नेट, पीएच.डी. हैं। साथ ही साथ यू.जी.सी.जूनियर रिसर्च फेलो तथा

यू.जी.सी. सीनियर रिसर्च फेलों रहे हैं। लेखक को स्नातक तथा परास्नातक कक्षाओं में तेरह वर्षों से अधिक के अध्यापन का अनुभव है। लेखक की पच्चीस से अधिक शोधपत्र राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हैं। लेखक की भारतीय इतिहास तथा अन्य विषयों पर चार पुस्तकें प्रकाशित हैं तथा तीन पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं। डॉ. सिंह चालीस से अधिक शोधपत्रों का राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/काँफ्रेंस में वाचन किया है। डॉ. सिंह मध्यप्रदेश इतिहास परिषद के कार्यकारिणी सदस्य हैं। लेखक विभिन्न अकादमिक एवं प्रशासनिक समितियों में समन्वयक तथा सदस्य हैं। डॉ. सिंह “गाँधीवादी विचारों के समसामयिक अर्थ-संदर्भ” विषय पर मार्च 2017 में राष्ट्रीय सेमिनार के संयोजक एवं आयोजक सचिव रहे हैं। लेखक “मध्यभारती” (डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश की यूजीसी लिस्टेड जर्नल) के अतिथि संपादक के रूप में गाँधीजी के 150 वीं जयंती पर गाँधी विशेषांक 77 वें अंक का संपादन कार्य किया है।

₹ 390/-

